IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

भारत में पत्रकारिता शिक्षा में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका

चंद्रकांत यादव मदन
मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी

सारांश

भारत में पत्रकारिता के विकास के क्रम में पत्रकारिता शिक्षा की शुरुआत हुई थी। इसकी शुरुआत 1920 ई0 में डॉक्टर एनी बेसेंट द्वारा मद्रास के आडमार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से हुई थी। भारत में अधिकांशतः 12वीं कक्षा के बाद ही पत्रकारिता की शिक्षा पत्रकारिता संस्थान, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाती है। इस प्रकार भारत में पत्रकारिता शिक्षा प्रदान करने में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह शोध पत्र भारत में पत्रकारिता शिक्षा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूमिका की वर्तमान स्थितियों की जांच करता है। अध्ययन हेतु शोधकर्ता ने मिश्रित शोध विधि का प्रयोग किया है। न्यायदर्श के चयन में स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना (Stratified Random Sampling) का प्रयोग किया है। आंकड़ों के संकलन हेतु प्राथमिक व द्वितीय आंकड़ों का प्रयोग किया है। शोधार्थी ने इस शोध कार्य में पाया कि भारत में पत्रकारिता शिक्षा का इतिहास क्या है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों का पत्रकारिता शिक्षा में योगदान व भूमिका क्या है इनके द्वारा किन–किन स्तरों पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है। भारत में 23 नवंबर 2023 तक कुल 56 केंद्रीय विश्वविद्यालय में से 41 विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है। यह शोध पत्र इस सुझाव के साथ समाप्त होता है कि भारत के प्रत्येक केंद्रीय विश्वविद्यालयों द्वारा सर्टिफिकेट से लेकर पीएचडी स्तर तक पत्रकारिता की शिक्षा दी जाए जिससे पत्रकारिता शिक्षा लेने वाले छात्रों का नामांकन अनुपात बढ़ेगा।

कीवर्ड :– भारत, पत्रकारिता शिक्षा, केंद्रीय विश्वविद्यालय, भूमिका

प्रस्तावना

भारत में पत्रकारिता का अभ्युदय ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने के साथ हुआ था तब जेम्स अगस्टस हिक्की ने पहली बार कोलकाता से 29 जनवरी 1780 को बंगाल गजट नामक समाचार पत्र का प्रकाशन किया था।[1] पत्रकारिता का मुख्य कार्य लोगों को सूचित एवं शिक्षित करना है। शुरुआती दौर में भारत में पत्रकारिता एक सेवा थी पत्रकारिता के माध्यम से लोग देश की आजादी की मुहिम चलाते थे तथा साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ विरोध करते थे। भारत में पत्रकारिता के विकास के क्रम में पत्रकारिता शिक्षा की शुरुआत हुई। भारत में पत्रकारिता शिक्षा की शुरुआत बंगाल गजट के 140 साल बाद 1920 ई0 में डॉक्टर एनी बेसेंट द्वारा मद्रास के अडमार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से हुई थी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पहला ऐसा केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसनें 1938 ई0 में सबसे पहले पत्रकारिता शिक्षा की शुरुआत की थी। शुरुआती दौर में देखा जाए तो भारत में पत्रकारिता शिक्षा का अभाव था लेकिन आज पत्रकारिता का व्यवसायीकरण के साथ पत्रकारिता शिक्षा भी बदल चुकी है 1920 से लेकर अब तक पत्रकारिता शिक्षा का लगातार विकास और विस्तार हुआ है। भारत में अधिकांशतः 12वीं कक्षा के बाद ही पत्रकारिता की शिक्षा पत्रकारिता संस्थान, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाती है। इस प्रकार पत्रकारिता शिक्षा देने में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अब लगभग हर विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में पत्रकारिता के शिक्षा दी जा रही है साथ ही यह देश के विकास में योगदान कर रही है। आज पत्रकारिता शिक्षा कॉफी हद तक सामाजिक रूप से जिम्मेदार, प्रबुद्ध और प्रतिबद्ध पेशवारों और शिक्षाविदों को तैयार करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पत्रकारिता शिक्षा ऐसे पेशवारों को तैयार कर सकती है जो राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

शोधार्थी ने इस शोध पत्र में निम्न संबंधित साहित्य का अध्ययन किया

1. पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा : एक आकलन

बीपी संजय 2012

इस शोध पत्र में इन्होंने यह उल्लेख किया है कि भारत में पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा ने एक लंबा सफर तय किया है और अभी तक इस अकादमी मैट्रिक में मजबूती से स्थापित नहीं किया जा सका इतिहास के अलावा ऐसे कई मुद्दे हैं जो शिक्षकों पेशेवरों और छात्रों से संबंधित हैं। इन मुद्दों में पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास से लेकर मीडिया उद्योग में साथ व्यवहार और संबंध विकसित करना शामिल है।

2. 21वीं साड़ी में मीडिया शिक्षा : परिवर्तन और चुनौतियां

बिल धारूकर 2021

इस शोध पत्र में इन्होंने यह उल्लेख किया है कि आमतौर पर आधुनिक दुनिया में और विशेष रूप से भारत में मीडिया शिक्षा के विकासशील समाजो की जरूरतों को पूरा करने के लिए क्रांतिकारी परिवर्तन की आवश्यकता है।

3. भारत में मीडिया शिक्षा की स्थिति : उत्तर पूर्वी केंद्रीय विश्वविद्यालय का एक अध्ययन

राजेश कुमार 2019

इस शोध लेख इन्होंने यह उल्लेख किया है की मीडिया शिक्षा अपने अस्तित्व के पांच दशक पूरे करने के बाद पूर्वोत्तर भारत में स्वर्ण जयंती मना रही है। पत्रकारिता में पहली औपचारिक कार्यक्रम 1967 में गुवाहटी स्टेट यूनिवर्सिटी असम में ''डिप्लोमा इन जर्नलिज्म'' कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस शुरुआत के साथ उत्तर पूर्वी क्षेत्र में भारत में मीडिया शिक्षा के पहले दस विश्वविद्यालय विभागों की लीग में शामिल होने का इतिहास बनाया। 1996 में असम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में पत्रकारिता एम.ए. की शुरुआत की जो इस क्षेत्र में पत्रकारिता में पहला मास्टर कार्यक्रम शुरू करने का श्रेय लेता है।

4. भारत में पत्रकारिता शिक्षा का विस्तार : गुणवत्ता के लिए चिंता

निधि शेन्दूरनिकर तेरे 2012

इस शोध लेख में उन्होंने यह उल्लेख किया है की स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता व पत्रकारिता शिक्षा एक मिशन को लेकर चली और व्यवसायिक्करण में बदल गई। पत्रकारों को शिक्षित करने के लिए पत्रकारिता शिक्षा का विकास हुआ इससे न्यू मीडिया व तकनीकी को भी बढ़ावा मिला।

5.भारत में पत्रकारिता शिक्षा के 100 वर्ष

संजय द्विवेदी 2021

इस शोध लेख में इन्होंने यह उल्लेख किया कि एक समय था जब लोग समझते थे कि पत्रकारिता जन्मजात होती है और पत्रकारिता सिखाई नहीं जा सकती लेकिन अब समय बदल चुका है यदि डॉक्टरों को मेडिकल की डिग्री की आवश्यकता होती है, वकीलों को कानून के डिग्री की आवश्यकता होती होती है तो पत्रकारिता जैसे महत्वपूर्ण पेशा सभी के लिए खुला क्यों होना चाहिए। हर व्यक्ति पत्रकार बनने लायक कैसे हो सकता है। हर पत्रकार के लिए पत्रकारिता की शिक्षा में डिग्री आवश्यक होनी चाहिए।

अध्ययन का उद्देश्य

पत्रकारिता शिक्षा में केंद्रीय विश्वविद्यालय के योगदान व भूमिका अध्ययन करना

परिकल्पना

देश के प्रत्येक केंद्रीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षा सर्टिफिकेट से लेकर पीएचडी स्तर तक की दी जाएगी जिससे पत्रकारिता शिक्षा लेने वाले छात्रों का नामांकन अनुपात बढ़ेगा।

शोध क्षेत्र

भारत में पत्रकारिता शिक्षा का इतिहास

भारत में पत्रकारिता शिक्षा को शुरू करने का श्रेय होम रूल मूवमेंट के संस्थापक डॉक्टर एनी बेसेन्ट को जाता है इन्होंने 1920ई0 में मद्रास के आडमार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया था।[2]

पत्रकारिता शिक्षा शुरू करने का दूसरा प्रयास 1938ई0 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने डिप्लोमा कोर्स के साथ शुरू किया। तब यह कक्षा भारत के संघीय न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश सर मोहम्मद सुलेमान ने शुरू की थी तथा प्रभारी शिक्षक रहम अली हाशमी थे। स्वतंत्रता पूर्व भारत में प्रोफेसर पृथ्वी पाल सिंह द्वारा 1941 ई0 में पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर में पहले पत्रकारिता विभाग की स्थापना की। जो एशियाई क्षेत्र में पहले पत्रकारिता कार्यक्रमों में से एक था। 3 देश के विभाजन ने विश्वविद्यालय को विभाजित कर दिया और पत्रकारिता विभाग को दिल्ली में स्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा।[3]

स्वतंत्र भारत में पहली बार मद्रास विश्वविद्यालय ने 1947 में पत्रकारिता और संचार का पहला विभाग शुरू किया। 1948 में कोलकाता विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता विभाग शुरू किया और 1950 में औपचारिक रूप से पत्रकारिता में 2 वर्षीय स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम की घोषणा की जिसका उद्घाटन पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ विधान चंद्र राय ने 7 अक्टूबर 1950 को किया।

इसके बाद महाराजा कॉलेज मैसूर में पत्रकारिता विभाग 1951 में शुरू हुआ जो मैसूर विश्वविद्यालय के अधीन था।

1952 में नागपुर विश्वविद्यालय ने सुनियोजित पत्रकारिता कार्यक्रम शुरू किया।

1962 में उस्मानिया विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता पाठ्यक्रम को स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में उन्नत किया जिसे पत्रकारिता में प्रथम डिग्री पाठ्यक्रम माना जाता था।

17 अगस्त 1965 4 को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तत्वाधान में यूनेस्को के सहयोग से इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन की स्थापना नई दिल्ली में की गई थी।[4]

जनसंचार के क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा प्रदान करने वाला यह पहला संस्थान माना जाता है उसने पत्रकारिता में पेशेवर प्रशिक्षण के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करने का काम किया इसके बाद भारत में धीरे–धीरे पत्रकारिता शिक्षा का विस्तार व विकास होने लगा और कई विश्वविद्यालयों ने पत्रकारिता शिक्षा शुरू कर दी।

1967 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने।

1973 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने अपने कला संकाय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग स्थापित किया।

1990 में मध्य प्रदेश के भोपाल में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की स्थापना हुआ जिसे यूजीसी ने मान्यता प्रदान की।[5]

पत्रकारिता की शिक्षा में केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका

भारत के प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय का श्रेय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय को जाता है। इसकी स्थापना 1916 में मदन मोहन मालवीय ने वाराणसी उत्तर प्रदेश में की थी।यह विश्वविद्यालय 1916 में ही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत देश का प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय बना।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षा का प्रारंभ 1973 में किया गया तब इसने अपने कला संकाय में पत्रकारिता व जनसंचार विभाग की स्थापना की।[6]

भारत में 24 नवंबर 2023 तक यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त कुल विश्वविद्यालयों की संख्या 1114 है जिनमें से

केंद्रीय विश्वविद्यालय 56

राज्य विश्वविद्यालय 479

प्राइवेट विश्वविद्यालय 455

डीम्ड विश्वविद्यालय 124

कुल केंद्रीय विश्वविद्यालय की संख्या 56 में से 41 विश्वविद्यालय में पत्रकारिता के शिक्षा दी जाती है। वैसे तो विश्वविद्यालय में पत्रकारिता शिक्षा सर्टिफिकेट से लेकर पीएचडी स्तर तक दी जाती है लेकिन भारत में केवल 7 ऐसे केंद्रीय विश्वविद्यालय हैं जिसमें तीनों स्तर पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पी0एच0डी0 में पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

1. जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय
2. हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय
3. मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, तेलंगाना
4. महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
5. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक
6. गुरु घसीदास विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़
7. महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहार

केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय में केवल पीजी डिप्लोमा स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

10 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां केवल स्नातकोत्तर स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

1. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
2. कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय
3. कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय
4. नागालैंड विश्वविद्यालय
5. सिक्किम विश्वविद्यालय
6. उत्तरी पूर्वी पहाड़ी विश्वविद्यालय शिलांग
7. अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, सिकंदराबाद, तेलंगाना
8. विश्व भारतीय विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन
9. आंध्र प्रदेश केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
10. जम्मू राष्ट्रीय विश्वविद्यालय

20 केंद्रीय विश्वविद्यालय केवल ऐसे हैं जहां पर स्नातकोत्तर और पी0एच0डी0 स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

1. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ
2. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
3. त्रिपुरा विश्वविद्यालय
4. हैदराबाद विश्वविद्यालय
5. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय
6. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय
7. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

8. पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय
9. उड़ीसा केंद्रीय विश्वविद्यालय
10. पांडिचेरी विश्वविद्यालय
11. मणिपुर विश्वविद्यालय
12. झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
13. हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
14. मिजोरम केंद्रीय विश्वविद्यालय
15. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
16. तेजपुर विश्वविद्यालय
17. दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय
18. राजीव गांधी विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
19. असम विश्वविद्यालय
20. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

2 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां केवल स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

1. दिल्ली विश्वविद्यालय
2. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय

भारत में कुल 28 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां पत्रकारिता के शिक्षा में शोध कार्य करवाया जाता है।[7]

शोध कार्य प्रणाली

शोध विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी ने मिश्रित शोध विधि का प्रयोग किया है।

न्यायदर्श का चुनाव

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी ने। स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना (Stratified Random Sampling) का प्रयोग किया है जिसमे से देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय में से उन विश्वविद्यालय को चुनाव किया है जिसमें पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।

आकडों का स्रोत –

प्रस्तुत शोध पत्र में शोधार्थी ने प्राथमिक व द्वितीय स्त्रोत का प्रयोग कर आंकड़ों का संग्रह किया गया है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध पत्र भारत में पत्रकारिता की शिक्षा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की भूमिका के निम्न निष्कर्ष

- भारत में पत्रकारिता की शिक्षा की शुरुआत 1920 ई0 में डॉक्टर एनी बेसेन्ट ने मद्रास के अडमार राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से की थी।
- भारत के प्रथम केंद्रीय विश्वविद्यालय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता शिक्षा की शुरुआत 1973 में की थी।
- भारत के कुल 56 केंद्रीय विश्वविद्यालय में से 41 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।
- भारत में केवल 7 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे है जहां तीनों स्तर पर स्नातक, स्नातकोत्तर और पी0एच0डी0 में पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।
- 10 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां केवल स्नातकोत्तर स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।
- 20 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां पर स्नातकोत्तर और पीएचडी स्तर पर पत्रकारिता की शिक्षा दी जाती है।
- भारत में कुल 27 केंद्रीय विश्वविद्यालय ऐसे हैं जहां पर पत्रकारिता की शिक्षा में शोध कार्य कराए जाते हैं।
- भारत के केंद्रीय विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की शिक्षा सत प्रतिशत नहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- कुमार जे0 केवल, 1981 भारत में जनसंचार
- द्विवेदी संजय, 2021 भारत में मीडिया शिक्षा के 100 वर्ष
- अराम अरुल, पाल सुरेश , 2009 भारत में मीडिया शिक्षा के समक्ष चुनौतियां
- नटराजन जे0, 1955 हिस्ट्री ऑफ इंडिया जर्नलिज्म

1. https://en.wikipedia>Bengal Gazette
2. https://mcc.edu.in>journalism education history
3. www.odisha.plus>journalism>100year of media education in india

4. Indiaeducation.net/mass communication
5. Arihant publication, mass communication, Mritunjay Kuma, Sajita Kumar.
6. Wikipidia>bhu
7. www.wikipidia.org>List of University in India